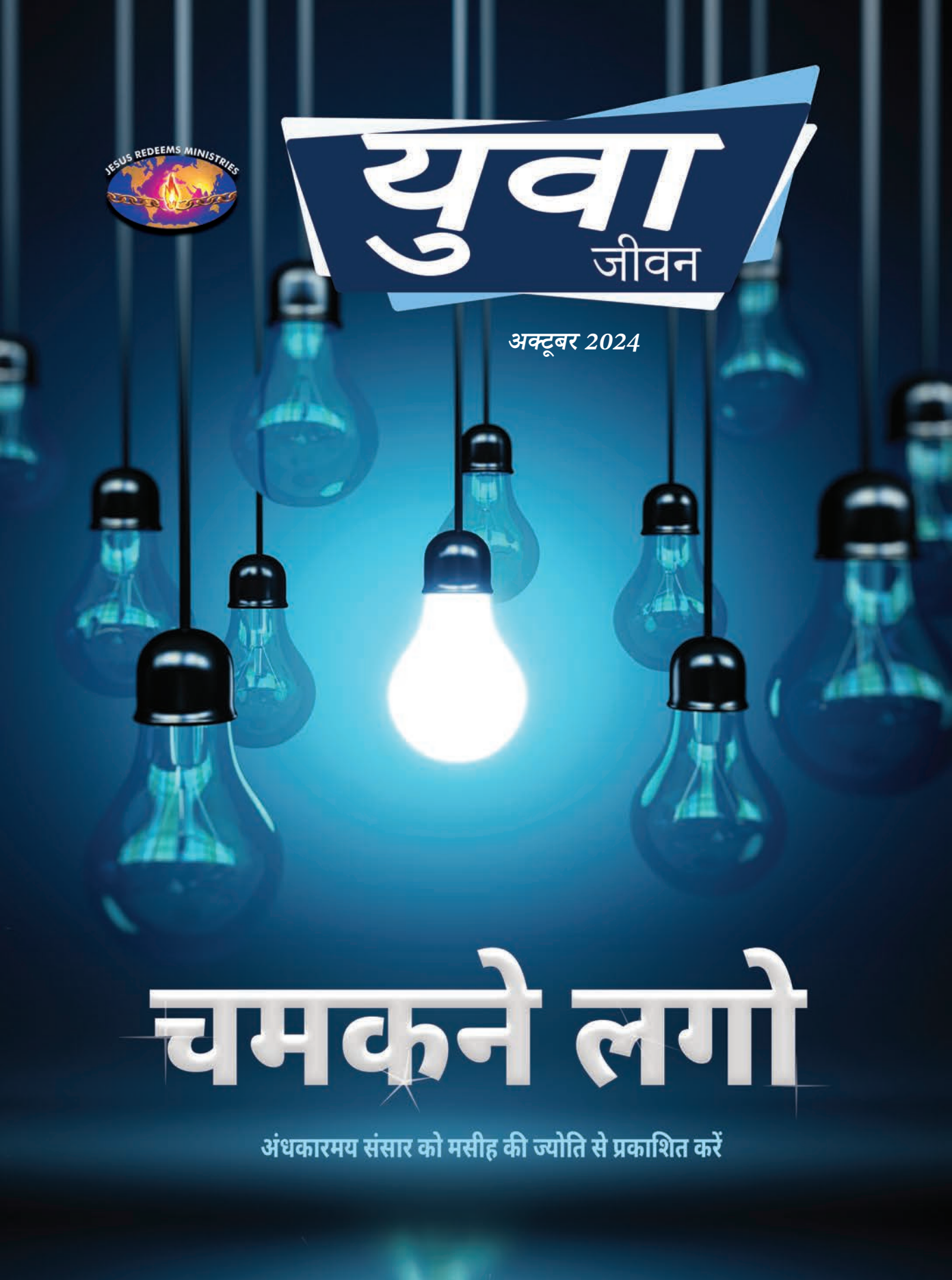

JESUS REDEEMS MINISTRIES

युवा जीवन

अक्टूबर 2024

चमकने लगो

अंधकारमय संसार को मसीह की ज्योति से प्रकाशित करें

हर पांचवें रविवार को हमारे पास युवाओं के लिए एक विशेष कार्यक्रम होता है - "रिवाइवल इग्नाइटर फ़ेलोशिप"। यह जीसस रिडीम्स मिनिस्ट्रीज के यूट्यूब चैनल पर 29/12/2024 को दोपहर 3:00 बजे "लाइव" प्रसारित किया जाएगा। कृपया अधिक जानकारी के लिए नीचे दिए गए नंबर पर हमसे संपर्क करें।

YouTube Jesus Redeems - Hindi | Comforter DIGITAL CHANNEL | www.comfortertv.com

संपर्क संख्या : +919750955548

Revival IGNITERS Monthly Fellowship

इग्नाइटर्स यूथ फ़ेलोशिप एक जगह है जहां युवा अपनी आध्यात्मिकता को प्रज्वलित करते हैं जीवन की गहन सच्चाइयों की खोज करें बाइबल, और प्रार्थना करने में शक्ति पाएँ एक समूह के रूप में देश।आपका स्वागत है इस फ़ेलोशिप में शामिल होने और बढ़ने के लिए मज़बूत। चलो भी! अपने आप को मजबूत करो,और दूसरों को मजबूत करने के लिए तैयार हो जाइये !

हर पहले रविवार

Mumbai – Dharavi
Timing: 5.00 PM- 7.30 PM
World Revival Prayer Centre
2nd Floor, Above Balakrishna
Farsan Mart, Opp. Apna Restaurant,
Near Kamarajar School,
90 Feet Road,
9004882470

हर दूसरे रविवार

THANE
Timing: 5PM - 7:30PM
R.P. Mangala High School
(Near Railway Station),
Room No.10,
Opp. Bank of Maharashtra,
Thane (East)
9004882470

हर चौथे रविवार

Mumbai-Malad
Timing: 4.00 PM – 6.00 PM
Bethel Ground Floor
305/E, Mith Chauky,
Marve Road,
Malad (W)
9664050567 | 9619996976

प्रस्तावना

उत्तरी नाइजीरिया में,

इसावा नामक एक जनजाति रहती है। उनमें से एक छोटा लड़का था जो घर-घर जाकर बेकार सामान ढूँढ़ने में अपना दिन बिताता था। इनसे वह प्लास्टिक की सामग्री निकालता था, जिसे वह फिर बेच देता था। इस मामूली व्यापार के ज़रिए वह अपनी आजीविका चला पाता था। एक दिन, एक अमीर आदमी के घर पर कबाड़ इकट्ठा करते समय, मालिक ने उसके गंदे कपड़ों और फटे हुए प्लास्टिक बैग पर एक नज़र डाली और चिल्लाया, "अंदर मत आओ! बाहर रहो! तुम जैसे भिखारियों के लिए अमीर लोगों के घरों में कोई जगह नहीं है!"

अगले दिन उस अमीर आदमी ने अपनी महंगी हीरे की घड़ी खो दी और पूरे घर की तलाशी बेकार जाने के बाद वह गुस्से में था। युवा कबाड़ी एक बार फिर कचरा इकट्ठा करने के लिए लौटा, लेकिन उसे गुस्से का सामना करना पड़ा: "गेट के बाहर रहो! अंदर मत आओ—मैंने पहले ही अपनी हीरे की घड़ी खो दी है!"

अगले दिन, अमीर आदमी ने देखा कि छोटा लड़का उसके दरवाज़े के बाहर घबराया हुआ खड़ा है। "तुम्हें क्या चाहिए?" उसने पूछा। लड़के ने हीरे की घड़ी उठाई और पूछा, "क्या यह आपकी है?" अमीर आदमी ने चौंकते हुए जवाब दिया, "क्यातुम्हें पता है कि यह कितनी कीमती है?" लड़के ने जवाब दिया, "मुझे यह सब नहीं पता। मुझे यह आपके कूड़ेदान में मिली थी, इसलिए मैं इसे आपके पास वापस ले आया।" आदमी ने कहा, "यह एक अनमोल हीरे की घड़ी है! आप इसे रख सकते थे और अमीर बन सकते थे! आपने ऐसा क्यों नहीं किया?" युवक ने सरलता से उत्तर दिया, "मैं एक इसावा हूँ, और मैं यीशु का अनुसरण करता हूँ। मैं वह नहीं लेता जो मेरा नहीं है।" अमीर आदमी उसकी ईमानदारी और दृढ़ संकल्प से चकित था।

प्यारे युवा मित्रों! मसीही होना केवल मसीह कीज्योति का अनुसरण करने के बारे में नहीं है; यह आपके भीतर से उस उजियाला को चमकने देने के बारे में है। दुनिया को इसावा युवाओं की तरह युवा लोगों की ज़रूरत है, जो मसीह के सच्चे गवाह के रूप में रहते हैं, एक अंधेरी दुनिया में उजियाला लाते हैं।

युवा लोगों, उठो और चमको! वह ज्योति बनो जो दूसरों को भी खड़े होने और चमकने के लिए प्रेरित करता है!

मसीह के मिशन में
मोहन सी. लाजर

"तुम्हारा उजियाला मनुष्यों के साम्हने चमके कि वे तुम्हारे भले कामों को देखकर तुम्हारे पिता की, जो स्वर्ग में है, बड़ाई करें।" (मत्ती 5:16)

अनुग्रह, सभी बाधाओं का तोड़

हेलो नौजवानो! दक्षिण तमिलनाडु के भाई अजीत बिनोन के साथ एक प्रेरणादायक साक्षात्कार प्रस्तुत है। अंग्रेजी भाषा के बारे में शून्य ज्ञान के साथ शुरुआत करते हुए, उनके अथक प्रयासों और समर्पण ने उन्हें प्रथम श्रेणी के छात्र का दर्जा दिलाया। आज, परमेश्वर के अनुग्रह से, वह आत्मविश्वास के साथ धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलते हैं। हमारे साथ जुड़ें और उनकी अविश्वसनीय यात्रा में गोता लगाएँ!"

हमें अपने परिवार के बारे में बताएँ।

मेरा जन्म श्री जोसेफ और श्रीमती वलारमथी के घर तिरुनेलवेली जिले के एक छोटे से गाँव याकोबुपुरम में हुआ था। हम एक ईसाई परिवार हैं, और मेरे तीन भाई हैं। मेरी माँ ने हमें छोटी उम्र से ही नियमित रूप से चर्च में जाना सिखाया, लेकिन ईमानदारी से कहूँ तो उस समय मेरा यीशु से कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं था।

कितना प्यारा परिवार है! अब, क्या आप अपने बचपन और स्कूली जीवन के बारे में कुछ बता सकते हैं?

बचपन में, मुझे लैपटॉप पर गेम खेलने और टीवी देखने का बहुत शौक था, इसलिए मुझे 9वीं कक्षा तक पढ़ाई में कोई दिलचस्पी नहीं थी। तभी मेरे शिक्षक ने हमें चेतावनी दी, "केवल वे ही 10वीं कक्षा में पहुँच पाएँगे जो सभी विषयों में उत्तीर्ण होंगे।" मैं घबरा गया क्योंकि मैं अंग्रेजी और गणित में बहुत खराब था। अंग्रेजी की कक्षाएँ हमेशा अप्रिय लगती हैं। मुझे नहीं पता था कि क्या करना है और मैंने यीशु की तलाश शुरू कर दी। मैंने प्रार्थना की, "यीशु, आप ही एकमात्र हैं जो मुझे बचा सकते हैं।" उसी दौरान एक बहुत अच्छी बुजुर्ग महिला जिनका नाम माबेल था हमारे पड़ोस में रहती थीं, वह हमेशा दयालु और आस्था से भरी रहती थीं। जब मैंने उनसे अपने संघर्षों को साझा किया, तो उन्होंने सलाह दी, "यदि आप इसे एक बार लिखते हैं, तो यह दस बार पढ़ने जैसा है।" इसलिए मैंने चीजों को लिखना शुरू कर दिया और अधिक ईमानदारी से प्रार्थना करने लगा।

यीशु की तलाश करने और उनकी सलाह का पालन करने से आपके लिए चीजें कैसे बदल गईं?

अंग्रेजी मेरे लिए कठिन थी, लेकिन मैंने चीजों को लिखना, याद करना और कड़ी मेहनत से अध्ययन करना शुरू कर दिया। फिर भी, मैं वर्तनी की गलतियों से जूझता रहा। हर बार जब मेरी परीक्षा होती, तो मैं दादी माबेल से मेरे लिए प्रार्थना करने के लिए कहता। धीरे-धीरे, मैंने गेमिंग

और टीवी छोड़ दिया और बाइबल पढ़ना शुरू कर दिया। जैसे-जैसे मैंने और पढ़ा, मुझे यह बढ़ता हुआ आत्मविश्वास महसूस हुआ। पहले, मुझे संदेह था कि मैं 10वीं कक्षा भी पास कर पाऊंगा या नहीं, लेकिन परमेश्वर ने मुझे उस असुरक्षा से मुक्ति दिलाई। मैंने 10वीं कक्षा में 371 और 12वीं कक्षा में 312 अंक हासिल किए। यह मेरी क्षमता से नहीं था; यह पूरी तरह से परमेश्वर की कृपा थी!

यह आश्चर्यजनक है! आपने इतनी मेहनत की और स्कूल में सफल हुए। कॉलेज में आगे क्या हुआ?

12वीं पास करने के बाद, परमेश्वर ने मुझे चेन्नई के एक विश्वविद्यालय में बीबीए एविएशन मैनेजमेंट कोर्स में दाखिला दिलाया, जहाँ उत्तीर्ण होने के लिए मुझे कम से कम 50% अंक चाहिए थे। मुझे 52% अंक मिले, और यह किसी चमत्कार से कम नहीं था। मैंने परमेश्वर द्वारा दिए गए दर्शन पर भरोसा किया, जिसमें कहा गया था, 'मैं तुम्हें एक अच्छी नौकरी दिलवाऊंगा,' और उस विश्वास के साथ, मैंने एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में इस कोर्स में दाखिला लिया। लेकिन सब कुछ अंग्रेजी में था, और मैं इसमें पारंगत नहीं था। इस कॉलेज में पढ़ने के लिए, मुझे ट्यूशन फीस के रूप में डेढ़ लाख और हॉस्टल फीस के लिए एक लाख अतिरिक्त देने होंगे। इस वजह से, मेरे माता-पिता चिंतित थे और उन्होंने पूछा, "क्या तुम सच में ऐसा कर सकते हो?" मैंने अपने माता-पिता से कहा, "यीशु ने मुझे दर्शन में जो बताया है, उसे निश्चित रूप से पूरा करेंगे। चाहे कुछ भी हो, मैं संघर्ष को सहन करूँगा और अपनी पढ़ाई पूरी करूँगा।" इस आश्वासन के साथ, उन्होंने मेरी कॉलेज की फीस का भुगतान किया और मुझे भेज दिया। पहले तीन या चार महीने अविश्वसनीय रूप से कठिन थे। मुझे अंग्रेजी का बिल्कुल भी ज्ञान नहीं था, जबकि मेरी कक्षा में सभी लोग केवल अंग्रेजी बोलते थे। मैं भाषा बोल या पढ़ नहीं सकता था। जब भी मैं अपने सहपाठियों के साथ अंग्रेजी में बात करने की कोशिश करता, तो वे मेरा मज़ाक उड़ाते। हर बार ऐसा होने पर मेरा दिल टूट जाता और मैं रात को अपने कमरे में लौट आता और यीशु से प्रार्थना करते हुए अपने आँसू बहाता। छह महीने बीत गए और पहले सेमेस्टर की परीक्षाएँ नज़दीक आ रही थीं। दृढ़ निश्चयी, मैंने खुद को परीक्षाओं के लिए कठोर तैयारी करने के लिए प्रेरित किया, भले ही मुझे कितनी भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा हो।

आपने कॉलेज में परीक्षाओं और चुनौतियों का सामना कैसे किया? क्या आपने अपने सभी विषयों में सफलता प्राप्त की?

पहले तो मुझे नहीं पता था कि परीक्षाओं से कैसे निपटना है, लेकिन मेरे पिताजी ने मुझे इ.एस.वि(ESV) इंग्लिश बाइबल लाकर दी, यह सोचकर कि इसे समझना मेरे लिए आसान होगा। फिर भी, मैं इसे समझ नहीं पाया। तभी मैंने प्रार्थना की और परमेश्वर ने मुझे सीखने के लिए गूगल अनुवाद का उपयोग करने का मार्गदर्शन दिया। मैंने यू-ट्यूब(Youtube) पर व्याकरण की कक्षाएँ देखना, समाचार पत्र पढ़ना और बहुत कुछ करना शुरू कर दिया। यह कठिन था, लेकिन मैंने हार नहीं मानी। एक दिन, भारी मन से अभिभूत होकर, मैंने प्रार्थना की, प्रभु की उपस्थिति में अपने आँसू बहाए, और फिर मैंने बाइबल खोली और छोटे-छोटे भाग पढ़ना शुरू किया, सबसे पहले से शुरू करते हुए: "शुरुआत में, परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी का निर्माण किया।" यह वह क्षण था जब मैंने व्याकरण की अवधारणा को समझना शुरू किया। सच कहूँ तो, बाइबल पढ़ने से मुझे व्याकरण की मूल बातें सीखीं। इतना ही नहीं, बल्कि यीशु ने मुझे ऐसे दोस्तों से भी नवाज़ा जो धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलते थे। उनकी बातचीत सुनकर, मैंने धीरे-धीरे भाषा सीखी, परमेश्वर के अनुग्रह से। अपने पहले सेमेस्टर में, मुझे सब कुछ पूरी तरह से समझ में नहीं आया, और मैं अपनी परीक्षाओं में आसानी से पास नहीं हुआ। मैंने जो थोड़ा बहुत जानता था, उसका मैंने लगन से अध्ययन किया, बहुत प्रयास से उसे याद किया, और पास होने में सफल रहा। हालाँकि, मुझे एक झटका लगा: मुझे एक विषय में बकाया

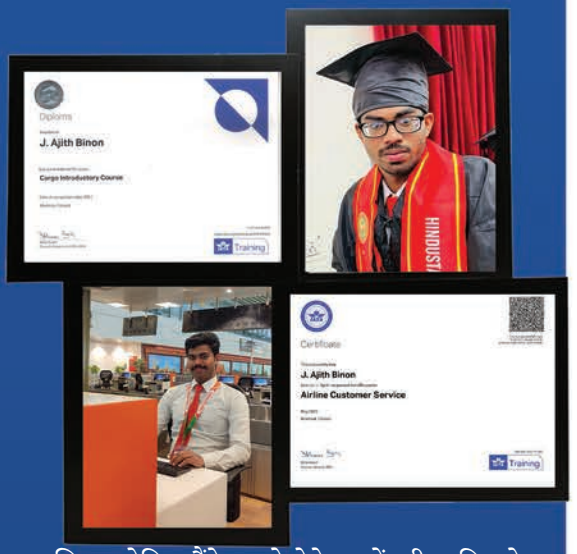

मिला। लेकिन मैंने अगले सेमेस्टर में परीक्षा फिर से लिखी और सफलतापूर्वक पास हो गया।

वाह, इतनी मेहनत के बाद, आपने स्नातक किया! अब आप क्या कर रहे हैं?

हालाँकि मुझे अंग्रेजी नहीं आती थी, फिर भी मैंने उस विशेष डिग्री का अध्ययन करना चुना क्योंकि यीशु ने मुझे ऐसा करने के लिए प्रेरित किया। परमेश्वर के अनुग्रह से, मैंने अपने अंतिम सेमेस्टर के दौरान एयर टिकटिंग और किराया निर्माण विषय में पूर्ण शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए। यीशु ने मुझे बुद्धि दी, आशीर्वाद दिया, और मुझे एक प्रथम श्रेणी के छात्र के रूप में प्रमाण पत्र के साथ स्नातक होने का अनुग्रह दिया, जिसने 2021 में एक अच्छी प्रतिष्ठा के साथ मेरी कॉलेज की डिग्री पूरी की। स्नातक होने के बाद, मैं छह महीने तक बिना नौकरी के रहा, कई साक्षात्कारों में भाग लिया। सभी दौर पास करने के बावजूद, मैं अंततः नौकरी पाने में असफल रहा। मैंने यीशु से ईमानदारी से प्रार्थना की, "हे प्रभु, यह आप ही थे जिन्होंने मुझे इस पाठ्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन किया, और मैंने इसे पूरा कर लिया है। भले ही मुझे अपने क्षेत्र से संबंधित नौकरी न मिले, कृपया मुझे कम से कम एक छोटी सी नौकरी प्रदान करें।" सातवें महीने में, मैंने एक और साक्षात्कार में भाग लिया और आखिरकार मेरा चयन हो गया। परमेश्वर का अनुग्रह से, मुझे अपने अध्ययन के क्षेत्र के अनुरूप नौकरी

मिल गई, चेन्नई हवाई अड्डे पर काम करना। मैं वर्तमान में चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ग्राहक सेवा कार्यकारी के रूप में काम करता हूँ। अपने वादे के अनुसार, प्रभु ने मुझे एक ऐसे पद पर पहुँचाया है जहाँ मैं उच्च पदस्थ अधिकारियों, विदेशियों, दूसरे राज्यों के गणमान्य व्यक्तियों और यहाँ तक कि क्रिकेट और फ़िल्मी हस्तियों के साथ अंग्रेज़ी में धाराप्रवाह बातचीत कर सकता हूँ। हज़ारों लोगों के बीच, यीशु ने वास्तव में मुझे उन ऊँचाइयों पर पहुँचाया जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

यह अविश्वसनीय है। शुरुआत में, आपके और यीशु के बीच कोई संबंध नहीं था। अब जब परमेश्वर ने आपको ऊपर उठा दिया है, तो आप अपनी यात्रा पर कैसे विचार करते हैं?

हालाँकि मैं कभी-कभी बाइबल पढ़ता था, प्रार्थना करता था और चर्च जाता था, लेकिन 12वीं कक्षा के दौरान ही मैंने यीशु को अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया और अपना पूरा जीवन उन्हें समर्पित कर दिया। जिस दिन से मैंने खुद को प्रभु को समर्पित किया, उसी दिन से मेरे मन में उनके प्रति गहरा प्रेम और भक्ति विकसित हुई। तब से, परमेश्वर ने कृपापूर्वक मुझे कई दर्शन दिए हैं जिन्होंने मेरे विश्वास को मज़बूत किया है। उन्होंने मुझे मेरे स्कूल के वर्षों में खूबसूरती से मार्गदर्शन किया, मुझे सफलतापूर्वक समाप्त करने में मदद की। मेरे कॉलेज के दिनों में, मेरे कई दोस्त पापी आदतों में पड़ गए, लेकिन यीशु ने मुझे ऐसे प्रलोभनों से दूर रखते हुए मेरी रक्षा की। क्योंकि मैंने अपना जीवन पूरी तरह से उनके प्रति समर्पित कर दिया था, इसलिए प्रभु ने मुझे सभी नुकसानों से बचाया, और अपनी दिव्य इच्छा के अनुसार मेरा मार्गदर्शन किया। पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो मैं हर दिन उनकी भलाई के लिए परमेश्वर की स्तुति करता हूँ।

बहुत बढ़िया..! आप युवाओं को क्या सलाह देना चाहेंगे?

- सबसे पहले, आपको खुद को परमेश्वर के प्रति समर्पित करना चाहिए। जब आपको किसी चीज़ की ज़रूरत हो, तो सिर्फ़ यीशु की तलाश न करें - उनके साथ रोज़ाना संपर्क बनाएँ। उन्हें पहले से ही पता है कि आपको क्या चाहिए।

- दूसरा, परमेश्वर को अपने संघर्षों के बारे में बताएँ। मैंने उनसे कहा कि मैं अंग्रेज़ी में अच्छा नहीं हूँ, और उन्होंने मुझे आज विदेशियों के साथ धाराप्रवाह बोलने की बुद्धि दी।

- तीसरा, अपने लिए परमेश्वर की योजना के साथ खुद को संरेखित करें और उसके लिए कड़ी मेहनत करें। चाहे चीज़ें कितनी भी असंभव क्यों न लगें, वे आपके लिए रास्ता बनाएँगे।

प्यारे युवाओ! भाई अजित ने खुद को परमेश्वर को समर्पित कर दिया, अपनी कमज़ोरियों को उनके सामने रख दिया, और उनकी इच्छा के आगे समर्पण कर दिया। आज, परमेश्वर ने उन्हें चमका दिया है। क्या आप निराश महसूस कर रहे हैं, सोच रहे हैं कि क्या आप भी कभी चमक पाएँगे? अपने संघर्षों को परमेश्वर के सामने लाएँ। वे आपको चमकाएँगे, ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने अजित के साथ किया था!

नरक का टिकट!

भाग 9

हेलो मित्रों! पिछले कुछ महीनों से, हम उन फंदों की खोज कर रहे हैं जो शैतान हमें नरक में ले जाने के लिए बिछाता है। पिछले महीने, हमने पानी और आत्मा से जन्म लेने के बारे में सीखा। इस महीने हम शैतान के एक और जाल के विषय में देखेंगे जो वह इस्तेमाल करता है, वो है — डर ।

डर

जब आप 'डर' शब्द पढ़ते हैं, तो क्या आपको किसी परेशानी से बचने के लिए अगले पेज पर जाने का मन करता है? रुकिए! पढ़ते रहिए, और आप अपने जीवन में एक बड़ा बदलाव देखेंगे। बाइबल डर को पाप कहती है। हम सभी को अलग-अलग तरह के डर का सामना करना पड़ता है: कुछ को अकेले रहने का डर होता है, कुछ को अंधेरे, ऊंचाई, खून, अचानक तेज आवाज या जब परिवार के सदस्य समय पर घर नहीं आते हैं, तो डर लगता है। कुछ को परीक्षा, शादी, अपने बच्चों या भविष्य का डर होता है। कुछ को मौत का डर होता है, और दूसरों को यात्रा के दौरान दुर्घटनाओं का डर होता है।

जब अप्रत्याशित चीजें होती हैं, तो डर पैदा होता है। इन अंतिम दिनों में, हम जिन घटनाओं के बारे में सुनते हैं—युद्ध, अकाल और महामारी—वे हमें डराने के लिए बनाई गई लगती हैं। लेकिन यीशु कहते हैं कि हमें इन चीज़ों से नहीं डरना चाहिए: "जब तुम युद्धों और विद्रोहों के बारे में सुनो, तो डरो मत" (लूका 21:9)।

हमें किससे नहीं डरना चाहिए?

बाइबल हमें बताती है, "उनसे मत डरो जो शरीर को नाश करते हैं, और उसके बाद तुमको कुछ और नहीं कर सकते" (लूका 12:4)। दूसरे शब्दों में, लोगों से मत डरो। हममें से कई लोग इस बात की चिंता करते हैं कि दूसरे क्या सोचेंगे, भले ही हम सही काम कर रहे हों। उदाहरण के लिए, मसीही होने के नाते, हम सार्वजनिक स्थानों पर सुसमाचार साझा करने से हिचकिचाते हैं, इस डर से कि दूसरे क्या सोचेंगे या क्या करेंगे। लेकिन मनुष्य का डर एक फंदा साबित होगा (नीतिवचन 29:25)।

हालाँकि डरना सामान्य है, लेकिन इस पर ध्यान देना हानिकारक हो सकता है, क्योंकि यह अन्य पापों की ओर ले जा सकता है।

बाइबल से निम्नलिखित उदाहरणों पर विचार करें

राजा शाऊल ने लोगों से डरने के कारण पाप किया (1 शमूएल 15:24)।

बाद में, उसी शाऊल ने डर के कारण अपनी जान ले ली (1 शमूएल 31:4)।

रूपांतरण पर्वत पर भयभीत पतरस ने बिना जाने क्या कहा (मरकुस 9:6)।

उसी पतरस ने यीशु को अस्वीकार कर दिया क्योंकि उसे अपने जीवन का डर था (मत्ती 26:69-74)।

डर शैतान से आता है। यह दर्द का कारण बनता है, नींद छीन लेता है, स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, और हमारी खुशी, पढ़ाई, काम और पूरे जीवन को प्रभावित करता है। शैतान, हमारा विरोधी, हमें फँसाने और पंगु बनाने के लिए डर का इस्तेमाल करता है। डर हमें सिर्फ़ इस जीवन में ही प्रभावित नहीं करता; यह हमें अनंत आनंद से दूर रख सकता है। "कायर... जलती हुई गंधक की आग की झील में डाल दिए जाएँगे। यह दूसरी मृत्यु है" (प्रकाशितवाक्य 21:8)।

डर पर बाइबिल की सलाह

• बाइबिल कहती है, "तुमने फिर से डरने के लिए दासत्व की आत्मा नहीं पाई, बल्कि तुम्हें गोद लेने की आत्मा मिली है, जिसके द्वारा हम "हे अब्बा पिता" पुकारते हैं।" (रोमियों 8:15)।

• परमेश्वर ने हमें डर की आत्मा नहीं, बल्कि सामर्थ्य, प्रेम और संयम की आत्मा दी है (2 तीमुथियुस 1:7)।

इसे पढ़ रहे प्यारे भाइयों और बहनों! शायद आप डर से जूझ रहे हों, नींद खो रहे हों, चुपचाप रो रहे हों, या फंसा हुआ महसूस कर रहे हों। भय से मुक्त होना बहुत ज़रूरी है। अगर आप भय में रहते हैं, तो यह चिंता में बदल सकता है, और चिंता आपको ख़तरनाक रास्ते पर ले जा सकती है, यहाँ तक कि आत्महत्या तक। आपको मुक्त करने के लिए, यीशु ने क्रूस पर शैतान को हराया (इब्रानियों 2:14-15)।

शैतान उन लोगों से प्यार करता है जो डर में जीते हैं। इसलिए वह हमें अपने जाल में फंसाए रखने के लिए इतनी मेहनत करता है, हमें नरक की ओर खींचता है। इसलिए सतर्क रहें; भय को पैर जमाने न दें; और, पवित्र आत्मा की मदद से, उस पर विजय पाएँ और अनंत दंड से बचें।

ठीक है, दोस्तों, अगले महीने मिलते हैं जब हम नरक की ओर ले जाने वाले एक और जाल का पता लगाएँगे!

Heart Beat

लालसा रखें, खतरा नहीं!

मैंने हाल ही में अपनी बीएससी की डिग्री पूरी की है। छोटी उम्र से ही मेरे अंकल और मेरे बीच एक ऐसा रिश्ता बन गया था जो प्यार जैसा लगता था। उन्होंने मुझसे दुनियाभर का वादा किया था, कहा था कि वे मुझसे शादी करेंगे और साथ में हम एक खुशहाल ज़िंदगी बिताएँगे। मैंने शिक्षक बनने के अपने सपने को छोड़ दिया और अपने चाचा को अपनी दुनिया का केंद्र बना लिया। लेकिन गुप्त रूप से, वे किसी और से प्यार करते थे- अपने सहपाठी की बहन से। छह महीने पहले, उन्होंने शादी कर ली और अब वे एक साथ खुशी-खुशी रह रहे हैं। मैं उन्हें भूल नहीं पा रही हूँ; मैं अभी भी उनके मुझसे शादी करने का इंतज़ार कर रही हूँ, और वे भी कहते रहते हैं कि मैं उनकी दूसरी पत्नी बनूँगी। मुझे क्या करना चाहिए? - कार्तिका, कर्नाटक।

प्रिय बहन कार्तिका, मैं वास्तव में आपकी स्थिति समझती हूँ। आप किसी ऐसे व्यक्ति को खोने का शोक मना रही हैं जिसे आप बहुत प्यार करती थीं, साथ ही विश्वासघात का गुस्सा और दर्द भी। आपके साथ हुए धोखे और दिल टूटने से आपका दिल बिखर गया है, जो आपको निराशा के कगार पर धकेल रहा है। लेकिन कृपया, इस पीड़ा को गलत या खतरनाक निर्णय लेने के लिए प्रेरित न करें।

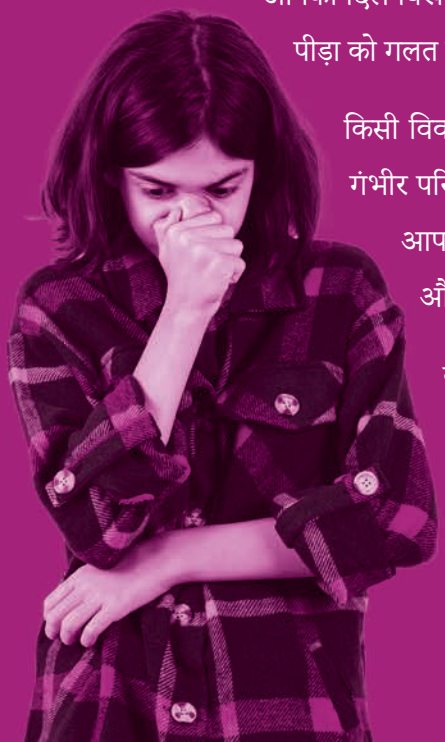

किसी विवाहित व्यक्ति से विवाह करने की इच्छा करना एक गंभीर भूल है और इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। जिस व्यक्ति ने आपसे विवाह का वादा किया था, वह अब आपसे अपनी दूसरी पत्नी के रूप में विवाह करने की पेशकश कर रहा है, जिससे आप और उसकी वर्तमान पत्नी धोखा खा रहे हैं।

कभी भी इस तरह के अनैतिक व्यवहार में शामिल न हों। आपकी निराशा की गहराई में भी, आपके आगे एक उज्जवल जीवन की आशा है। उससे विवाह करने के टूटे हुए सपनों से चिपके रहने के बजाय, आगे एक सुंदर नई यात्रा में विश्वास करना शुरू करें! याद रखें, कार्तिक, उठने या गिरने का विकल्प आपके हाथों में है।

आप इससे कैसे आगे बढ़ें?

- आपको उन चीजों को छोड़ देना चाहिए जिन्हें आपको भूलने की जरूरत है।
- अपने अंकल को पकडे रहना न केवल अनुचित है, बल्कि यह हमारी संस्कृति और नैतिकता के खिलाफ भी है क्योंकि अब उनकी शादी किसी और से हो चुकी है।
- उनसे सभी संपर्क से बचें और ऐसी कोई भी चीज हटा दें जो आपको उनकी याद दिलाती हो।
- विवाह के बारे में सोचने के बजाय, शिक्षण के प्रति अपने जुनून पर फिर से ध्यान केंद्रित करें।
- अपनी ऊर्जा को अपने करियर में लगाने से आपका दिमाग अतीत से दूर रहने में मदद मिल सकती है।
- किसे पता है? हो सकता है कि आप अपने शिक्षण करियर में आगे बढ़ें, प्रशंसा पाएं और असाधारण ऊंचाइयों तक पहुंचें!

यदि आप आगे बढ़ने में विफल रहते हैं...

- अपने अंकल की यादों को संजोए रखने से आप उनसे फिर से संपर्क करना चाह सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अवैध संबंध हो सकते हैं।
- आपसे शादी करने का उनका वादा प्यार से नहीं है; यह एक दुर्भावनापूर्ण इच्छा है जो जीवन को बर्बाद कर सकती है।
- यह उनकी पत्नी के लिए एक बड़ा विश्वासघात होगा, और इससे उनकी ज़िंदगी भी बर्बाद हो सकती है।
- इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि भविष्य में वह आपको छोड़ नहीं देगा, जिससे आप बदनाम हो जाएँगी और आपको "दूसरी महिला" के रूप में लेबल किया जाएगा।
- आखिरकार, आप खुद से सवाल कर सकती हैं, "क्या इस तरह का जीवन जीने लायक है?" और गलत निर्णय लेने के लिए प्रेरित हो सकती हैं।

ध्यान से सोचें और समझदारी से काम लें। जल्दी से सही निर्णय लें ताकि आपके चाचा के बारे में हानिकारक विचार आपको रोक न सकें। एक बार जब आप इस कठिन दौर से गुज़र जाती हैं, तो एक सफल विवाह आपका इंतज़ार कर रहा होता है।

भरोसा रखें कि यीशु आपका मार्गदर्शन करेंगे, आपको मज़बूत करेंगे और इस चुनौतीपूर्ण समय में सही फ़ैसले लेने में आपकी मदद करेंगे। उस पर विश्वास करें, और वह आपके जीवन में चमत्कार करेगा!

"अपने हृदय की रक्षा करो, क्योंकि जो कुछ तुम करते हो वह उसी से निकलता है।" (नीतिवचन 4:23)

दानिय्येल की प्रार्थना।

बाइबिल में दानिय्येल ने एक महत्वपूर्ण बात के लिए प्रार्थना की थी, अर्थात उसके लोगों को मुक्ति मिलनी चाहिए। दानिय्येल(9:20-23)में हम दानिय्येल द्वारा प्रभु की उपस्थिति में प्रतीक्षा करते हुए की गई प्रार्थना और प्रभु से अपनी प्रार्थना का उत्तर प्राप्त करने के तरीके के बारे में पढ़ते हैं। दानिय्येल की प्रार्थना और उसे प्राप्त प्रतिक्रिया के बारे में जानने से पहले, हम दानिय्येल के बारे में कुछ बातें सीखते हैं।

दानिय्येल का उत्साह।

बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर ने यरूशलेम पर आक्रमण किया, उसे अपने कब्जे में ले लिया और जला दिया और अपने साथ कुछ रूपवान, बुद्धिमान और समझदार युवकों को दास के रूप में ले गया और उन्हें अपने देश में रखा और प्रशिक्षित किया और फिर उनका इस्तेमाल किया। उनमें से एक दानिय्येल था। बाइबल के विद्वानों का मानना है कि जब दानिय्येल को बेबीलोन लाया गया था, तब वह 18 वर्ष का था। लेकिन दानिय्येल ने प्रभु से पूछताछ नहीं की। विदेशी भूमि में रहने वाले दानिय्येल के हृदय में उत्साह था। लेकिन दानिय्येल ने निश्चय किया कि वह राजा के व्यंजनों से अपने आपको अशुद्ध नहीं करेगा और उसने प्रधान से प्रार्थना की कि वह उसे अपने आपको अशुद्ध न करने दे (दानिय्येल 1:8)। चूँकि प्रभु दानिय्येल के साथ था और उसने परमेश्वर की उपस्थिति को महसूस किया था, इसलिए वह भोजन के मामले में दृढ़ था। उसने अपने हृदय में निश्चय किया कि मैं अपने आपको अशुद्ध नहीं करूँगा और मैं प्रभु को दुःखी नहीं करूँगा। दानिय्येल दिन में तीन बार घुटनों के बल बैठ जाया करता और अपने परमेश्वर के सामने प्रार्थना किया करता और धन्यवाद देता था। दानिय्येल 6:10. जब वह छोटा था तब भी उसे दिन में तीन बार प्रार्थना करने की आदत थी। यह नहीं कहता था कि मुझे जब भी समय मिलेगा मैं प्रार्थना करूँगा। लेकिन तीनों बार उसने अपने ऊपरी कक्ष की खिड़कियाँ यरूशलेम की ओर खुली रखीं और अपने रीति के अनुसार प्रार्थना की। उसने प्रार्थना करना नहीं रोका, दानिय्येल में उसकी दैनिक प्रार्थना और अपने आपको अशुद्ध न करने के संबंध में एक अनुशासन देखा गया।

दानिय्येल की विश्वास की प्रार्थना

दानिय्येल के भीतर गहरा विश्वास था। जब उसे शेर की मांद में फेंक दिया गया तो दानिय्येल को विश्वास था कि प्रभु शेर का मुंह बंद कर देंगे, (दानिय्येल 6:3।)। जैसा कि दानिय्येल को उस पर विश्वास था, वैसे ही हमारे जैसे परमेश्वर के प्रार्थना करने वाले

बच्चों को भी वैसा ही विश्वास होना चाहिए कि यद्यपि हम दुष्टात्माओं और मूर्तियों की आत्माओं के विरुद्ध प्रार्थना करते हैं, फिर भी वे हमें नष्ट नहीं कर सकते। इसका कारण यह है कि हमारे भीतर जो प्रभु है, वह संसार की आत्माओं से बड़ा है।

दानिय्येल के प्रार्थना मित्र।

यह सच है कि दानिय्येल व्यक्तिगत प्रार्थना करने वाला व्यक्ति था। उसे बाबुल से लाए गए युवकों शद्रक मेसाक और अबेदनगो के साथ प्रार्थना करने की आदत थी। जब राजा के सपनों की व्याख्या करने की आवश्यकता पड़ी, तो उसने अपने मित्रों के साथ प्रार्थना की और रात के दौरान उसे अपने सपनों की व्याख्या मिली। हम बाइबल में पढ़ते हैं कि परमेश्वर ने राजा के सपने का अर्थ बताकर दानिय्येल को विजय दिलाई। (दानिय्येल 2:17-19) आपको भी ऐसे मित्र बनाने चाहिए जैसे दानिय्येल के प्रार्थना मित्र थे जो राष्ट्रों और आत्माओं के लिए प्रार्थना करेंगे। आपको ऐसे मित्रों की सहायता लेनी चाहिए जो आत्मा में प्रार्थना करनेवाले हों।

प्रिय युवाओं!

दानिय्येल ने तीन बार प्रार्थना करना बंद नहीं किया, खुद को अशुद्ध नहीं किया। उसके पास प्रार्थना मित्र थे। जब आप खुद को प्रार्थना-सहभागिता के साथ जोड़ते हैं तो आप एक सामर्थी युवा प्रार्थना योद्धा की तरह उभर सकते हैं – चाहे लड़का या लड़की।

राष्ट्र के लिए प्रार्थना करें... 'यीशु छुड़ाता है'

विश्व जागृति प्रार्थना भवन

Our Branches

Mumbai (Dharavi)
World Revival Prayer Canter, T/1, Block No.11,
90 Feet Road, Rajiv Gandhi Nagar Dharavi, Mumbai - 400 017
Email: br.dharavi@jesusredeems.org, Ph: +91 8082410410

Mumbai (Malad)
World Revival Prayer Center, Bethel, Plot 305/E,
Mith Chowky Marve Road, Malad(w) Mumbai - 400064
Ph: +91 9664050567

Ranchi
World Revival Prayer Centre, Kadru Sarna Toli,
Near Argora Railway Station, Road no -1, Doranda P.O
Ranchi - 834 002, Jharkand,
Email: br.ranchi@jesusredeems.org, Ph: 9523336010

Chandigarh
World Revival Prayer Centre, SCO 1st Floor, Dhakoli-Kalka Road,
NH-22, Near City Court Zirakpur, Punjab- 160104
Email: br.chandigarh@jesusredeems.org, Ph: 9417726492

Delhi
World Revival Prayer Centre, Plot no 152, Ground floor,
Pratap nagar,opposite harinagar bus depot, New Delhi - 110064
Email: br.delhi@jesusredeems.org, Ph: 011-25616253 / 35580428

Come and Pray

चमकते रहो

अंधकार में डूबे कई शहर अब जगमगाते दीयों की तरह चमक रहे हैं। यह कहना होगा कि जहाँ भी देखो रंगदार रोशनी अभी भी मनुष्य के अंदर के अंधकार के डर को दूर भगाती है। एक फ्लैशलाइट अंधकार को दूर भगाती है और रास्ते को रोशन करती है। सड़क पर चिपकाए गए इलेक्ट्रिक स्टिकर तब चमकते हैं जब वे चमकते हैं और वाहनों को दुर्घटना किए बिना सही रास्ते पर चलने में मदद करते हैं। जब भी उन पर रोशनी पड़ती है, वे चमकते हैं, जैसे ही वाहन चलते हैं, चमकदार स्टिकर सादे कागज में बदल जाते हैं। धुआं जो तनाव में चिपक जाता है, वह सादे कागज में बदल जाता है।

यीशु इस जगत में जीवन की ज्योति के रूप में आए जो हमेशा उन लोगों पर चमकते हैं जो सदियों से अंधकार में डूबे हुए हैं उन्होंने कहा कि "मैं जगत की ज्योति हूँ अगर तुम मेरा अनुसरण करोगे तो तुम अंधकार में नहीं चलोगे और तुम प्रकाश तक पहुँच जाओगे। (यूहन्ना 8:12)

यीशु मसीह जिन्होंने कहा कि मैं जगत की ज्योति हूँ उन्होंने लोगों को देखा और कहा कि तुम जगत की ज्योति हो। (मती: 5:14)। यानी, अगर यीशु जो ज्योति है, हम में है, तो हम भी चमकेंगे और एक ऐसी रोशनी बनेंगे जो अंधकार में लोगों को रोशनी देती है। हमारे आस-पास के लोग पाप, अभिशाप और गरीबी में फंसे हुए हैं और अंधेरे में डूबे हुए हैं और बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। परमेश्वर की इच्छा है कि हम ऐसे लोगों के बीच चमकती हुई धारा बनें। वह एक जलता हुआ और चमकता हुआ दीपक था। यीशु ने युहन्ना बप्तिस्मा देने वाला के बारे में कहा कि वह एक जलता हुआ और चमकता हुआ दीपक था। (यूहन्ना: 5:35)

युहन्ना बप्तिस्मा देने वाला प्रकाश बनने और यीशु को अंधकार में लोगों से परिचित कराने के लिए आया था। उन्हें मसीह के लिए तैयार करना और उन्हें पश्चाताप के लिए बपतिस्मा देना और उन्हें मसीह के रूप में प्रकाश के स्थान पर वापस लाना। यीशु को आपकी ज़रूरत है कि आप लोगों को उनके दूसरे आगमन के लिए तैयार करें, ठीक वैसे ही युहन्ना बप्तिस्मा देने वाले को लोगों को उनके पहले आगमन के लिए तैयार करना था।

यीशु पर विश्वास करें और यीशु आपको उन लोगों के बीच चमकाएंगे जिन्होंने कहा था कि आप कभी चमक नहीं सकते।

विलियम कैरी, जो इंग्लैंड में एक बहुत ही साधारण परिवार में पैदा हुए थे, ने गरीबी के कारण अपनी स्कूली शिक्षा छोड़ दी थी, वे हर दिन उस दुकान में भारत के नक्शे को देखते हुए प्रार्थना करते थे जहाँ वे काम करते थे। वे अंततः 1793 में भारत आए और तब से अंधकार में लोगों के लिए प्रकाश की किरण के रूप में दिखाई दिए। वे कभी भी अपनी मातृभूमि में वापस नहीं लौटे। उन्होंने नए नियम का 40 से अधिक भाषाओं में और उनकी पूरी बाइबिल का 20 से अधिक भाषाओं में अनुवाद किया। इतना ही नहीं, उनके द्वारा स्थापित महान बाइबिल कॉलेज सेरामपुर विश्वविद्यालय में अध्ययन करने वाले सभी कार्यकर्ता अभी भी परमेश्वर के लिए उठ रहे हैं और चमक रहे हैं। यीशु आपको चमकाएंगे क्योंकि वे दुनिया में आए और मनुष्य पर सच्चा प्रकाश डाला। (यूहन्ना 1:9) यीशु आपको भी चमका सकते हैं। दानिय्येल और उसके मित्र जिन्हें बेबीलोन की भूमि में दास के रूप में ले जाया गया था, वे पाप और मूर्तिपूजा थे। वे जादूगरों के प्रभुत्व वाले उस देश में प्रभु के लिए चमके। प्रभु ने उन्हें चमकाया क्योंकि वे उस देश में पाई जाने वाली पापी आदतों से खुद को अलग करने और प्रभु के लिए खुशी से जीने के लिए दृढ़ थे। इतना ही नहीं, वे प्रतिदिन पवित्र आत्मा द्वारा निर्देशित थे और उनका मानना था कि वे पाप के लिए नहीं आए थे। "जो कोई उसमें रहता है, वह पाप नहीं करता; जो कोई पाप करता रहता है, उसने न तो उसे देखा है और न ही उसे जाना है"। (1यूहन्ना:3:6)। प्रभु में दानिय्येल और उसके मित्रों के उस दृढ़ कार्य के कारण ही वे उस देश में चमकने में सक्षम थे। प्यारे युवा लोगों, "परमेश्वर यहोवा है, जिसने हमें प्रकाश दिखाया है: बलि को रस्सियों से बाँधो, यहाँ तक कि वेदी के सींगों तक... (भजन संहिता 118:27)

प्रभु हमारे उज्ज्वल वक्ता परमेश्वर हैं। जैसे सूर्य की परिक्रमा करने वाला चंद्रमा सूर्य का प्रकाश प्राप्त करता है और पृथ्वी को प्रकाश देता है, वैसे ही आप भी दुनिया भर में मसीह में खड़े होकर चमकते हैं और उन लोगों के बीच चमकते हैं जो पाप के अंधकार में हैं।

NISUIN BERIYTH

(विवाह अनुबंध)

भाग - 9

विवाह में किन बातों से बचना चाहिए

अविश्वासियों के साथ जुए में न जुतो

"अविश्वासियों के साथ जुए में न जुतो" (2 कुरिन्थियों 6:14) ।

जुए में लकड़ी की एक पट्टी होती है जिसका उपयोग बैलों जैसे दो जानवरों को जोड़ने के लिए किया जाता है, ताकि गाड़ी को एक साथ खींचा जा सके। जुए में वजन नहीं होता, लेकिन यह जानवरों को गाड़ी के वजन से जोड़ता है, जिससे गाड़ी को चलाने के लिए उनका सामूहिक कार्य ज़रूरी हो जाता है। कल्पना करें कि एक बैल और गधे को एक ही जुए के नीचे रखा जाए—उनकी अलग-अलग ताकत, खाने की आदतें और व्यवहार आपस में टकराएँगे, जिससे गाड़ी को आसानी से चलाना असंभव हो जाएगा। बाइबल विश्वासियों को इस कारण से अविश्वासियों के साथ विवाह में प्रवेश न करने की सलाह देती है।

आजकल, कई युवा गहरी दोस्ती और विपरीत लिंग के सहकर्मियों या सहपाठियों के साथ लंबे समय तक वक़्त बिताना सामान्य मानते हैं, जिससे अक्सर सम्बन्ध बनते हैं और विवाह होते हैं। लेकिन जब उनकी जीवनशैली, विश्वास और आराधना की आदतें अलग-अलग होती हैं, तो यह तनाव पैदा करता है—न केवल जोड़े के लिए बल्कि परमेश्वर के लिए भी, जो अपने बच्चों से बिना शर्त भक्ति चाहते हैं। परमेश्वर अपने बच्चों की खुद के अलावा किसी और चीज या किसी और के प्रति वफादारी को स्वीकार नहीं कर सकते। अगर लोगों के साथ मतभेद में रहना जीवन को असुरक्षित बनाता है, तो कल्पना करें कि स्वर्ग, पृथ्वी और पूरे ब्रह्मांड को बनाने वाले परमेश्वर का विरोध करने का खतरा कितना है। जब हम सांसारिक अभिलाषाओं से लिप्त रहते हैं और परमेश्वर से दूर चले जाते हैं, तो वास्तव में अच्छे जीवन की क्या उम्मीद रह जाती है?

अनुबंध विवाह (कॉन्ट्रैक्ट मैरिज)

आजकल कुछ युवा जन सिर्फ़ इसलिए शादी करते हैं कि कोई उनके बूढ़े माता-पिता की देखभाल करे, खुले तौर पर घोषणा करते हैं कि जब यह सुविधाजनक नहीं होगा तो वे रिश्ता तोड़ देंगे। अनुबंध विवाह जोड़ों को संपत्ति विभाजन, पेंशन लाभ, बचत और गुजारा भत्ता जैसे अपने कानूनी अधिकारों को चुनने और सीमित करने की अनुमति देता है - प्रभावी रूप से प्राकृतिक वैवाहिक कानूनों को दरकिनार करते हुए।

समलैंगिक विवाह (होमो-सेक्सुअल मैरिज)

वर्ष 2024 तक, समलैंगिक विवाहों को 36 देशों में कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त है, जो सीधे बाइबिल की शिक्षाओं का विरोध करता है। बाइबिल बताती है कि हालाँकि लोग परमेश्वर को जानते थे, लेकिन वे उसका सम्मान करने में विफल रहे, अमर परमेश्वर की महिमा को नश्वर प्राणियों की छवियों के लिए बदल दिया और सृष्टिकर्ता के बजाय सृष्टि की उपासना की। इस कारण से, परमेश्वर ने उन्हें अपने विनाशकारी जुनून का पीछा करने की अनुमति दी। पुरुष और स्त्रियाँ एक दूसरे के प्रति वासना से प्रेरित होकर स्वाभाविक संबंधों को त्यागकर अपने कार्यों के लिए उचित दण्ड प्राप्त करने लगे (रोमियों 1:20-32)।

परमेश्वर के प्रिय बच्चों! परमेश्वर द्वारा आरंभ में स्थापित विवाह वाचा सच्ची शांति और प्रचुर आशीर्वाद लाने के लिए बनाई गई थी। शत्रु, जो परमेश्वर को प्रसन्न करने वाली हर चीज़ से घृणा करता है, लोगों को परमेश्वर की उत्तम योजना से गुमराह करने के लिए विवाह के वैकल्पिक रूपों का आविष्कार करने में व्यस्त है। परमेश्वर के बच्चों के रूप में, परमेश्वर द्वारा बनाई गई विवाह वाचा को समझें और चुनें ताकि आप और आने वाली पीढ़ियाँ उसका आशीर्वाद प्राप्त कर सकें।

भावना

इच्छा (Cravings)

लालसा को किसी खास वस्तु या भोजन के प्रति अनियंत्रित तीव्र इच्छा या प्रवर्ती के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।आप इसे तमिल में 'इचाई' या इच्छा कह सकते हैं। यह एक ऐसी भावना है जो किसी को सीधे 'लत' में खींच ले जाती है।

आज हम किशोर के रूप में बहुत प्रतिस्पर्धी दुनिया में रहते हैं। हर दिन हमारे सामने कई चुनौतियाँ होती हैं। इन सबके बीच हम अपनी भावनाओं को कई तरह से व्यक्त करते हैं।खासकर अगर आप डर, अकेलापन, गुस्सा, नफरत, तनाव जैसी कई नकारात्मक भावनाएँ व्यक्त कर रहे हैं, तो यह अंश आपके लिए है।

क्या इच्छाएँ नहीं होनी चाहिए? क्या मुझे अपनी पसंदीदा बाइक या कार सिर्फ़ इसलिए नहीं खरीदनी चाहिए ताकि हम सांसारिक चीज़ों का आनंद ले सकें? क्या मुझे अपने दोस्तों के साथ अलग-अलग तरह का खाना खाने की इच्छा नहीं होनी चाहिए? क्या आपके दिल में ऐसे सवाल उठते हैं?

प्रिय नवयुवाओं, इच्छाएँ बुरी नहीं होतीं। हालाँकि, जब वे वासना बन जाती हैं और मसीह यीशु के प्रति प्रेम पर हावी हो जाती हैं, तो यह एक समस्या बन जाती है।

उदाहरण के लिए:-

रात में बिरयानी खाने की इच्छा होना (मिडनाइट बिरयानी)।

कुछ ख़ास समय में धूम्रपान या शराब की लालसा होती है।

कुछ लोगों के लिए यह उन्हें नई कार खरीदने के लिए प्रेरित करता है।

इस महीने के अंश में हम देखेंगे कि इस अनियंत्रित भावना को कैसे नियंत्रित किया जाए।

लालसा के प्रभाव:-

तम्बाकू, देर रात का खाना, शराब और दूसरी सांसारिक चीज़ों की ऐसी लालसाएँ हमारे अंदर निम्नलिखित में से कुछ बदलाव ला सकती हैं।

1. मूड स्विंग
2. हृदय गति में वृद्धि
3. रक्तचाप

इच्छाओं को पूरा करने के लिए कुछ सरल उपाय:

आप अपनी इच्छाओं पर काबू पा सकते हैं जब आप खुद को अन्य महत्वपूर्ण चीज़ों में व्यस्त रखते हैं, जैसे कि टहलना, कला सीखना, तैरना, परिवार के साथ समय बिताना, प्रार्थना करने वाले दोस्तों के साथ संगति करना और अपने व्यक्तिगत प्रार्थना समय को बढ़ाना।

ईश्वरीय सलाह :

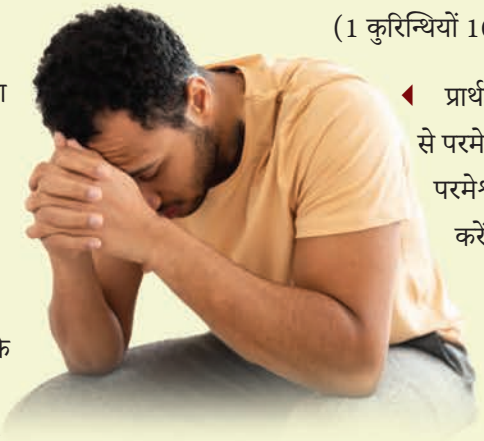

- अपनी खुद की ताकत पर भरोसा न करें, बल्कि पवित्र आत्मा की मदद से प्रार्थना करने और अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए भगवान की ताकत पर भरोसा करें (फिलिप्पियों 4:13)
- सांसारिक इच्छाओं से बचने के लिए पवित्र शास्त्र के साथ अपने मन को नवीनीकृत करने पर ध्यान केंद्रित करें। (रोमियों 12:2)
- लुभावने हालात और प्रलोभनों से दूर भागने की कोशिश करें। विश्वास करें कि प्रभु आपके लिए प्रलोभनों का सामना करने और उनसे बचने का रास्ता बना देंगे। (1 कुरिन्थियों 10:13)
- प्रार्थना, आराधना और पवित्रशास्त्र पढ़ने के माध्यम से परमेश्वर के साथ एक रिश्ता विकसित करें और परमेश्वर की इच्छा के फल का अभ्यास करें।(गलातियों 5:22-23)
- परमेश्वर में पूर्ण हो जाओ और सांसारिक सुखों में नहीं, यह जानते हुए कि वे लालसा की गहराई में डूबने या खोखलेपन से आते हैं। (भजन संहिता 107:9)
- उपवास करके और शरीर को दबाकर और प्रार्थना करके, परमेश्वर का जन आसानी से या ताकत के साथ अपनी इच्छाओं पर काबू पा सकता है।(मत्ती 6:16-18)

यह पढ़ते समय आपका दिल जिस भी अभिलाषा का गुलाम बना रहा है, उसे ना कहने का दृढ़ संकल्प करें। अपने फैसले में दृढ़ रहें। यह आपका चुनाव है कि आप अपनी इच्छाओं के गुलाम न बनें और उन्हें नियंत्रित न करें।याद रखो तुम गुलाम नहीं बल्कि राजा के संतान हो।

बहादुर तीमुथियुस

भाग 9

हेलो दोस्तों, सब कैसे हैं? यीशु मसीह के नाम पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं! मैं बहादुर तीमुथियुस नामक इस श्रृंखला के माध्यम से आप से जुड़कर बहुत उत्साहित हूँ। पिछले महीने की श्रृंखला में, हमने तीमुथियुस को लिखे गए पौलुस की पहली पत्री का अवलोकन किया, जहाँ हमने तीमुथियुस को इफिसुस में कलीसिया की देखरेख करने और कलीसिया के नज़रिए सहित उसे सौंपे गए मिशन के लिए पौलुस के मार्गदर्शन पर चर्चा की। इस महीने, हम तीमुथियुस को पौलुस की दूसरी पत्री पर गहराई से चर्चा कर रहे हैं। चलिए सीधे इस पर आते हैं!

पृष्ठभूमि

पौलुस ने तीमुथियुस को दूसरी पत्री 67 ई. में अपने अंतिम दिनों में लिखा था, जब वह तीसरी बार एक अंधेरे कालकोठरी में कैद था। इस पत्र को खास बनाने वाली बात यह है कि यह केवल तीमुथियुस के लिए लिखा गया था, जिसे पौलुस अपना आध्यात्मिक पुत्र मानता था।

उद्देश्य

यह जानते हुए कि उसकी मृत्यु का समय निकट था, पॉल ने उसे प्रोत्साहित करने के लिए आखिरी बार तीमुथियुस को देखने की इच्छा की। इसलिए, इस पत्र के माध्यम से, पौलुस तीमुथियुस को अपने पास आने के लिए बुलाता है और उसे सिखाता है कि परमेश्वर द्वारा उसे सौंपी गई सेवकाई को कैसे सावधानीपूर्वक पूरा किया जाए।

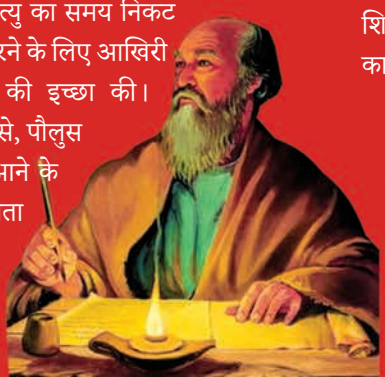

तीमुथियुस की पहचान

इस पत्री में, पौलुस तीमुथियुस को दो बार अपने प्रिय पुत्र के रूप में संबोधित करता है। वह उसे सच्चे विश्वास वाले व्यक्ति के रूप में भी संदर्भित करता है, जो बचपन से ही शास्त्रों को जानता है, और उसे परमेश्वर के सच्चे सेवक के रूप में पहचानता है। क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है, मित्रों? एक युवा व्यक्ति के रूप में भी, तीमुथियुस को महान प्रेरित पौलुस से ऐसी शानदार प्रशंसा मिली। हमें इस बात पर विचार करना चाहिए कि क्या आज दूसरे हमें इस तरह पहचान सकते हैं।

पौलुस के निर्देश

पौलुस तीमुथियुस को परमेश्वर के वरदान को प्रज्वलित करने के लिए प्रोत्साहित करता है जो उसे हाथ रखने के माध्यम से प्राप्त हुआ था। वह तीमुथियुस से आग्रह करता है कि वह प्राप्त की गई अच्छी शिक्षाओं को थामे रहे और उनमें दृढ़ रहे। पौलुस तीमुथियुस को दुख का सामना करने में भी मजबूत रहने की सलाह देता है।

तीमुथियुस को चेतावनियाँ

- पौलुस ने तीमुथियुस को तीन बार चेतावनी दी कि वह फूगिलुस और सिकंदर जैसे लोगों से सावधान रहे, जो कठिनाइयों और सांसारिक इच्छाओं के कारण अपनी सेवकाई में ठोकर खा गए।

• वह तीमुथियुस को झूठे शिक्षकों से दूर रहने के लिए भी सावधान करता है और उसे धैर्य और स्पष्टता के साथ सत्य का प्रचार करने, बेकार के तर्कों और व्यर्थ बकवाद से बचने का निर्देश देता है।

• पौलुस ने तीमुथियुस से आग्रह किया कि वह युवावस्था की अभिलाषाओं से दूर रहे और परिश्रम के साथ वचन का प्रचार करे, चाहे समय अनुकूल हो या न हो।

• वह यह भी कहता है कि तीमुथियुस को एक स्पष्ट मन रखना चाहिए, एक प्रचारक के काम के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए, और ईमानदारी से अपनी सेवकाई पूरी करनी चाहिए।

• वह उन लोगों के बारे में सावधान रहने की सलाह देता है जो अपनी सेवकाई में ठोकर खा गए हैं।"

झूठी शिक्षाओं से निपटने की रणनीति

पौलुस तीमुथियुस को झूठी शिक्षाओं के बारे में बहस में फंसने से बचने की सलाह देता है। इसके बजाय, वह तीमुथियुस को दूसरों को परमेश्वर के सामने बुद्धिमानी से निर्देश देने, सत्य की स्पष्ट शिक्षा देने, धैर्यपूर्वक गलतियों को सहने और जो लोग सत्य का विरोध करते हैं, उन्हें धीरे से मार्गदर्शन देने के लिए प्रोत्साहित करता है, उम्मीद करता है कि वे इसे जान लेंगे।

पौलुस तीमुथियुस के सेवकाई में बने रहने और अच्छी लड़ाई लड़ने के महत्व पर जोर देता है, जैसा कि पौलुस ने खुद किया है—प्रभु यीशु मसीह के सामने विजयी होकर दौड़ पूरी करना और साथ ही अपने विश्वास को बरकरार रखना।

पौलुस, जो तीमुथियुस को अपना आध्यात्मिक पुत्र मानता है, उसे जल्द ही देखने की गहरी इच्छा व्यक्त करता है, और तीमुथियुस से सर्दी शुरू होने से पहले मिलने का आग्रह करता है। वह तीमुथियुस से पॉल द्वारा छोड़ा गया लबादा, कुछ किताबें और स्क्रॉल लाने के लिए भी कहता है। इस पत्र को पॉल द्वारा तीमुथियुस को लिखे गए दूसरे पत्र के रूप में जाना जाता है, और इसे ज्यादातर पौलुस द्वारा अपनी मृत्यु से पहले लिखी गयी अंतिम पत्री माना जाता है।वाह! हालाँकि इस पत्र में केवल चार अध्याय हैं, लेकिन पौलुस ने तीमुथियुस के लिए इसमें कितनी बुद्धिमत्ता भरी है, इस पर गौर करें! उसने जो सलाह, चेतावनियाँ और निर्देश दिए, वे सचमुच अद्भुत हैं। और चूँकि तीमुथियुस ने ध्यान से सुना, उन सभी पर विचार किया और उन पर अमल किया, इसलिए वह परमेश्वर का एक अटल सेवक बन गया। पौलुस ने अपनी सेवकाई में अनगिनत कठिनाइयों का सामना किया, और तीमुथियुस, अन्य कार्यकर्ताओं के साथ, उनके बारे में सब कुछ जानता था। कुछ लोग रास्ते में लड़खड़ा गए। लेकिन तीमुथियुस, एक युवा व्यक्ति के रूप में भी दृढ़ रहा। क्या यह एक अविश्वसनीय उपलब्धि नहीं है?

प्रिय मित्रों! यह पत्री केवल तीमुथियुस के लिए नहीं है। यह पत्र हमारे लिए भी है, खासकर उन लोगों के लिए जो हम जैसे युवावस्था में हैं। इन दिनों जब हर जगह झूठी शिक्षाएँ हैं, और कुछ लोग कहते हैं, "यदि आप परमेश्वर का अनुसरण करते हैं, तो आपको बिना किसी कठिनाई के केवल आशीर्वाद प्राप्त होगा," क्या हम तीमुथियुस की तरह दृढ़ रहने के लिए तैयार हैं? क्या हम सेवकाई में चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं? आइए इन चेतावनियों और सलाह पर विचार करें और उन्हें अपने जीवन में लागू करें।

(बहादुर युग जारी है...)

प्रार्थना

रोजगार हानि

वैश्विक स्तर पर पिछले 6 महीनों में अकेले प्रोद्योगिकी क्षेत्र में 1.24 लाख लोगों को अपनी नौकरियां खो दी हैं। अकेले जुलाई 2024 में 34 कंपनियों से 8000 लोगों को अपने नौकरी गंवानी पड़ी। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में नौकरियां जाने का यह सिलसिला जारी रहेगा। मासिक वेतन रुकने के कारण कर्ज लेने की स्थिति बन गई और कई लोग तनाव में हैं। पिछले 7 सालों में 37 लाख कारोबार बंद हो गये और 1.34 करोड़ लोगों की नौकरियां चली गईं।

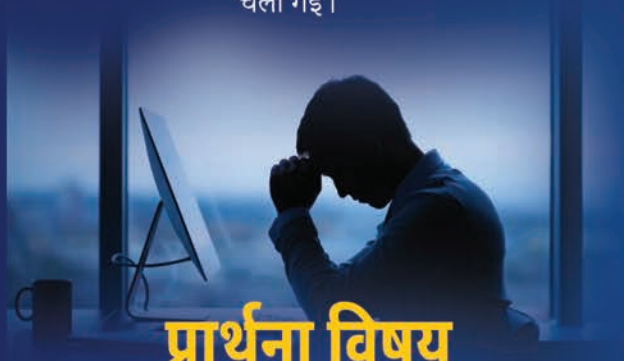

प्रार्थना विषय

1.अपनी नौकरियां खो चुके लगभग 1.24 लाख लोगों के लिए रोजगार के अवसरों के लिए प्रार्थना करें।

2 विश्व स्तर पर नौकरी के अवसर बढ़ने और नौकरी छूटने से बचने के लिए प्रार्थना करें।

3, नौकरी छूटने से दुखी हुए तनाव में है और उनके लिए आराम और उपयुक्त रोजगार मिलने के लिए प्रार्थना करें।

4 सरकार के लिए प्रार्थना करें कि वह बंद पड़े छोटे व्यवसायों को फिर से खोलने और नौकरियों के सृजन का दस्तावेज तैयार करें।

पुस्तिका

तलाक

भारत में 100 में से एक विवाह अफेयर के कारण खत्म होता है।

दिल्ली मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में तलाक की दर 30% से अधिक है। सबसे अधिक तलाक दर 18.7 वाले राज्यों में महाराष्ट्र पहले स्थान पर हैं। 11.5% के साथ कर्नाटक दूसरे स्थान पर है उत्तर प्रदेश भी 8:8 के अनुपात के साथ तीसरे स्थान पर है। पश्चिम बंगाल 8.2 के साथ चौथे स्थान पर और दिल्ली 7.7 के साथ सीरियस में 5वें स्थान पर है तमिलनाडु 7.1 के अनुपात के साथ छठे स्थान पर है।

प्रार्थना विषय

1.उन पति पत्नी के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने तलाक का मुक्तमा दायर किया है कि वह फिर से एक साथ रहे और उनके बीच क्षमा करने का स्वभाव उत्पन्न हो।

2 यदि पति पत्नी में सहनशीलता, समर्पण, प्रेम और एकता के लिए प्रार्थना करें

3.परिवारों को तोड़ने की शैतान की योजनाओं के लिए प्रार्थना करें।

4.अदालत में लंबित तलाक के मामले जल्दी पूरे हो और पारिवारिक जीवन मंगलमय हो इसके लिए प्रार्थना

अक्टूबर 2024

इजराइल के टकराव

अक्टूबर 2023 से अब तक इजराइल पर 7,000 से ज़्यादा रॉकेट हमले हो चुके हैं। दो देशों की सीमाओं के कारण करीब 200,000 लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। अब तक इजराइल ने लेबनान के सात सैन्य कमांडरों को मार गिराया है। अप्रैल 2024 से इजराइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ गया है, जिससे आसन्न युद्ध की चिंता बढ़ गई है।

प्रार्थना विषय

1. इजराइल और लेबनान के बीच शांति और रॉकेट हमलों से नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।

2. दोनों देशों की सरकारों पर परमेश्वरीय शासन के लिए प्रार्थना करें।

3. इजराइल और ईरान के बीच शांति की स्थापना के लिए प्रार्थना करें।

4. बच्चों की सुरक्षा और चल रहे संघर्ष में और अधिक जानमाल के नुकसान को रोकने के लिए प्रार्थना करें।

कृषि

भारत में 18 करोड़ किसान है और 2022 के आंकड़ों के आधार पर भारत में हर घंटे एक किसान आत्महत्या करता है। राष्ट्रीय अपराध अभिलेखगार (2023) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022 में 11.290 आत्महत्या दर्ज की गई।यह देश में आत्महत्या की कुल संख्या का 6.67% है।

प्रार्थना विषय

1. भारत के 11.8 करोड़ किसानों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

2 कर्ज के बोझ से दबे किसानों की मुक्ति के लिए प्रार्थना करें।

3 सरकार के लिए प्रार्थना करें कि वह ऐसी योजना लाएं जिससे किसानों के लाभ हो।

4. प्रार्थना करें कि किसानों की आत्महत्या बताइए रुक जाएगी और उनकी आजीविका में वृद्धि होगी।

क्लेश पुनरुत्थान का अग्रदूत है

"जाति पर जाति और राज्य पर राज्य चढ़ाई करेगा।" (मत्ती 24:7)

मणिपुर में 3 मई, 2023 से शुरू हुए मैतेई और कुकी समुदायों के बीच निरंतर संघर्ष, अभी भी तबाही मचा रहा है। मैतेई लोग जो मणिपुर की आबादी का 51% हैं, मुख्य रूप से इम्फाल घाटी में रहते हैं और ज्यादातर हिंदू हैं, जबकि ईसाई और मुसलमान अल्पसंख्यक हैं। इसके विपरीत, कुकी लोग, जो बड़े पैमाने पर ईसाई हैं, पहाड़ी क्षेत्रों में रहते हैं।

मैतेई समुदाय ने लंबे समय से आदिवासी का दर्जा मांगा है, इस मांग का कुकी समुदाय ने कड़ा विरोध किया है, जो अपने विशेषाधिकारों, भूमि और नौकरी के अवसरों के नुकसान से डरते हैं। अप्रैल 2023 में, मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा मैतेई समुदाय को आदिवासी का दर्जा देने के पक्ष में दिए गए फैसले ने उत्प्रेरक का काम किया, जिससे मई में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच हिंसक झड़पें भड़क उठीं। तब से इस हिंसा में कमी आने का कोई संकेत नहीं मिला है।

सशस्त्र समूहों ने घरों पर हमला किया है, लोगों का अपहरण किया है और निर्दयता से उनकी हत्या की है। अपने प्रियजनों को खोने के शोक में डूबे अनगिनत परिवारों की दर्द भरी चीखें पूरे देश में गूंज रही हैं। हज़ारों लोग घायल हुए हैं और कई लोग अपने ही देश में विस्थापित हो गए हैं, और शरणार्थी के रूप में रहने को मजबूर हैं। कई परिवारों के मुखिया और युवा लोग, डर और संकट से घिरे हुए, अपरिचित जगहों पर अपना दिन काट रहे हैं।

मणिपुर में सेना और अर्धसैनिक बलों की तैनाती के बावजूद, हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। रिपोर्ट दर्शाता हैं कि हिंसा के इस अंतहीन चक्र में अब तक लगभग 221 लोगों की जानें जा चुकी है। 3 मई को शुरू हुआ हिंसक संघर्ष अपनी एक साल की सालगिरह पर पहुँच रहा है, लेकिन यह बिना रुके जारी है। बाइबल ने 2,000 साल पहले भविष्यवाणी की थी कि "एक जाती दूसरे जाती पर और एक राज्य दूसरे राज्य पर चढ़ाई करेगा।" यह कोई नई घटना नहीं है; यह कैन और हाबिल के दिनों से हो रहा है।

"फिर एक और घोड़ा निकला, जो आग की तरह लाल था। उसके सवार को यह अधिकार दिया गया कि पृथ्वी पर से मेल उठा ले, ताकि लोग एक दुसरे का वध करें, और उसे एक बड़ी तलवार दी गई" (प्रकाशितवाक्य 6:4)। इसी तरह, मणिपुर ने भी अपने अमन-शांति खो दिया है। लोग लगातार भय की स्थिति में रहते हैं, इस बात को लेकर अनिश्चित कि कौन किसके खिलाफ जाएगा या हिंसा का अगला प्रकोप कहाँ होगा। जैसा कि उत्पत्ति 6:11 में कहा गया है, "पृथ्वी हिंसा से भर गई थी," आज भी लोग एक दूसरे के खिलाफ दंगे कर रहे हैं।

मिस्रियों ने इस्राएलियों पर अत्याचार किया, उनके जीवन को कष्टमय बना दिया और उनके साथ अत्यधिक क्रूरता से पेश आए, यहाँ तक कि उनके द्वारा जन्मे नर बच्चों को भी मार डाला। उस समय, परमेश्वर ने उन्हें छुड़ाने के लिए मूसा को भेजा, और मूसा के माध्यम से एक शक्तिशाली बेदारी आयी। इसी तरह, मणिपुर के लोगों पर आज भी अत्याचार, पीड़ा और हत्या की जा रही है।

जैसा कि मत्ती 24:12 में उल्लेख किया गया है, "और क्योंकि अधर्म बढ़ेगा, बहुतों का प्रेम ठंडा हो जाएगा," लोग अब प्रेम से रहित माहौल में रहते हैं। जिस तरह उस दिन प्रभु ने मूसा के माध्यम से बेदारी का आदेश दिया था, उसी तरह आज भी मणिपुर में बेदारी का आदेश देने के लिए मूसा जैसे लोगों को उभरने की आवश्यकता है। हम मणिपुर में एक गहन बेदारी को देखने के कगार पर हैं। नौजवानों, क्या आप मणिपुर में बेदारी के लिए प्रार्थना करेंगे?

मणिपुर राज्य मैतेई और कुकी जातीय समूहों के बीच झड़प के कारण एक साल से अधिक समय से हिंसा का सामना कर रहा है। उपरोक्त अनुच्छेद में हमने लोगों को लोगों के विरुद्ध और राज्य को राज्य के विरुद्ध देखा, हजारों लोग एक-दूसरे से लड़ रहे थे और एक-दूसरे को मार रहे थे। इस अनुच्छेद हम देखेंगे की कैसे धार्मिक कट्टरपंथी मसीहियों के ख़िलाफ़ उठ खड़े हुए और किस तरह कलीसिया पर अत्याचार किया।मणिपुर में महीनों से चल रही आग में घर, कृषि भूमि, व्यावसायिक परिसर जैसी कई चीजें जलकर राख हो गई हैं। ऐसे में 50 हजार से ज्यादा लोग अपना घर छोड़कर दूसरी जगहों पर पलायन कर गए हैं। आंकड़े बताते हैं कि हिंसा में करीब 400 चर्च जला दिए गए। कलीसिया के अनेक लोगों को सताया गया और सैकड़ों चर्चों को खाख में मिला दिया गया।

आदिवासियों की आबादी वाले पहाड़ी इलाकों में बड़ी संख्या में मसीही भी रहते हैं। यहा कई मसीही चर्च भी हैं। हिंसा के दौरान संप्रदायवादियों ने मसीही कलीसियाओं को निशाना बनाया है. कुछ मंदिरों में भी आग लगा दी गई। न केवल कुकी लोगों के चर्च, बल्कि मैतेई मसीहियों के सैकड़ों कलीसियाओं को लूट लिया गया और आग लगा दी गई। यह सब किस कारण से हुआ? ये जागृति की शुरुआत है...!!

जब हम प्रेरितों के काम के 9वें अध्याय को पढ़ते हैं, तो हम जान सकते हैं कि शाऊल नाम के एक व्यक्ति ने प्रेरितों के दिनों में कलीसियाओं को सताया था, जैसे इन दिनों मणिपुर में कलीसियाओं को सताया गया था।

शाऊल कई बातों के लिए दोषी था जैसे मसीहियों पर अत्याचार करना, कलीसियाओं को नष्ट करना, और स्तिफनुस की हत्या में भी शामिल था (प्रेरितों 8:1)। यह वही शाऊल था जिससे प्रभु की मुलाकात हुई थी। जब शाऊल को आश्चर्य हुआ कि वह कौन है, तो यीशु ने अपना परिचय देते हुए कहा, "मैं यीशु हूं, जिसे तू सता रहा है" (प्रेरितों 9:5)।

प्रभु यीशु मसीह शाऊल से ज्योति में मिले और उससे बात की। हनन्याह नामक एक शिष्य के माध्यम से, उसने शाऊल को दृष्टि दी, उसे पवित्र आत्मा से भर दिया, और उसे बपतिस्मा दिया। इसके बाद शाऊल ने बिना देर किए प्रचार करना शुरू कर दिया कि मसीह परमेश्वर का पुत्र था।

उस दिन शाऊल परिवर्तित हो गया और उसने स्वयं को पूरी तरह से मसीह की आज्ञा का पालन करने के लिए समर्पित कर दिया। शाऊल, जिसने कलीसिया पर अत्याचार किया, ने अपना मन बदल लिया और पौलुस बन गया। वह अंत तक पीछे नहीं हटा और उन स्थानों पर कलीसिया शुरू करना और आत्माओं को जीतना शुरू कर दिया जहाँ-जहाँ उन्होंने यीशु के लिए यात्रा की थी।

उसी तरह, प्रभु अपने वचन के प्रकाश के माध्यम से शाऊल जैसे लोगों से मिलेंगे जो आज भी मणिपुर में मंडलियों को पीड़ा दे रहे हैं और उन्हें पौलुस में बदल देंगे! इसके अलावा वह हनन्याह जैसे चेलों का उपयोग मणिपुर की बेदारी के लिए करेंगे। हम निश्चित रूप से मणिपुर के दंगाइयों में पौलुस जैसा परिवर्तन और पौलुस जैसा उत्साह देख सकेंगे!

उपरोक्त अनुच्छेद, हमने मणिपुर में चल रही अशांति और जागृति में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका का पता लगाया है। अब, हम मणिपुर के लोगों के विस्थापन के पीछे के कारणों पर गहराई से विचार करेंगे, जो अब अस्थायी आश्रयों में रहते हैं।

ऐतिहासिक रूप से, मणिपुर के लोगों ने कभी भी धार्मिक मतभेदों पर जोर नहीं दिया। मैतेई समुदाय, कुकी और नागा जनजातियों के साथ मिल-जुलकर सह-अस्तित्व में था, यहाँ तक कि यह सुनिश्चित करता था कि कुकी राज्य के प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँ। फिर भी, वर्तमान हिंसा ने दोनों पक्षों को हताहत और नुकसान पहुँचाया है। 60,000 से अधिक व्यक्ति विस्थापित हो गए हैं और अब अस्थायी शिविरों में रह रहे हैं, जिनमें मैतेई और कुकी दोनों समुदाय के लोग शामिल हैं। जब हिंसा शुरू हुई, तो इन आश्रयों में गर्भवती महिलाओं को भी रखा गया था।

अशांति में कुछ कमी के बावजूद, गोलीबारी और झड़पें जारी हैं, और शांति अभी भी दुर्लभ है। दोनों पक्षों में सशस्त्र टकराव जारी है। हालाँकि तनाव कम होने के संकेत हैं, लेकिन संघर्ष अभी भी पूरी तरह से हल नहीं हुआ है। समय-समय पर होने वाली झड़पें और गोलीबारी सच्ची शांति की अधूरी बहाली को दर्शाती हैं। यह सभी की आशा है कि शांति वापस आएगी, और जो लोग भाग गए थे वे एक दिन अपने वतन लौट जाएँगे, बिना किसी डर में और एक होकर रह पाएँगे।

जब मैं इस स्थिति पर विचार करता हूँ, तो एक बाइबिल की घटना मेरे दिमाग में आती है। यहूदा के राजा यहोयाकीम के शासनकाल के दौरान, प्रभु ने इस्राएल के लोगों को बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर के हाथों में सौंप दिया। दानिय्येल, यरूशलेम से बेबीलोन ले जाए गए लोगों में से एक, परमेश्वर के प्रति अपनी भक्ति में दृढ़ रहा, उसने कभी भी अपने विश्वास से समझौता नहीं किया, यहाँ तक कि एक विदेशी भूमि में भी। उसके अटूट विश्वास ने न केवल उसे बचाया बल्कि राजा दारा को भी प्रभु को सच्चा परमेश्वर मानने के लिए प्रेरित किया। दारा ने घोषणा की कि उसके राज्य में सभी को दानिय्येल के परमेश्वर, जीवित परमेश्वर, उद्धारकर्ता का भय मानना चाहिए और उसका आदर करना चाहिए।

उसी तरह, प्रिय दानिय्येल ने - बंदी होने के बावजूद - उस देश में एक बेदारी को जगाया जहाँ दारा का शासन था। आज, मणिपुर में अराजकता और उसके लोगों के बिखराव के बावजूद, मेरा मानना है कि इन क्षेत्रों के स्थानीय लोग और अधिकारी परमेश्वर के बच्चों के वफादार कार्यों को देखेंगे और उन्हें अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है कि विश्वासियों के माध्यम से एक बेदारी फैलने वाला है। हमारा सर्वशक्तिमान परमेश्वर, जो बुराई को अच्छाई में बदल देता है, यहाँ काम कर रहा है।

"जाति पर जाति और राज्य पर राज्य चढ़ाई करेगा। जगह-जगह भूकंप होंगे और अकाल पड़ेंगे। ये प्रसव पीड़ा की शुरुआत है। तुम्हें सावधान रहना चाहिए। तुम्हें स्थानीय परिषदों को सौंप दिया जाएगा और आराधनालयों में कोड़े मारे जाओगे। मेरे कारण तुम राज्यपालों और राजाओं के सामने उनके गवाह के रूप में खड़े होगे" (मरकुस 13:8-9)।

ट्रेन का सफ़र

भाग 6

शनिवार की एक शाम, एंड्रयू अपनी बालकनी पर आराम से बैठा था, और व्हाट्सएप स्टेटस देख रहा था। उसे विक्की का स्टेटस मिला, जिसमें दुखद पोस्ट और वीडियो थे, जिसके कारण उसने विक्की को फ़ोन किया।

एंड्रयू: (फ़ोन बज रहा है... बज रहा है...) क्या हो रहा है? वह फ़ोन क्यों नहीं उठा रहा है? ज़रूर कोई बड़ी समस्या होगी।

कुछ देर बाद, विक्की ने उसे वापस फ़ोन किया।

विक्की: हैलो, एंड्रयू... (निराश स्वर में)

एंड्रयू: अरे विक्की, सब ठीक चल रहा है न?

विक्की: "हाँ, मुझे लगता है कि मैं ठीक हूँ।" (निराशाजनक स्वर)

एंड्रयू: यार, मैं तुम्हारी बातचीत से बता सकता हूँ कि कुछ गड़बड़ है। अपनी बात कहो।

विक्की: मैं हाल ही में काम के दबाव में रहा हूँ। और अब, वे उस प्रोजेक्ट को बंद करने की योजना बना रहे हैं जिस पर मैं काम कर रहा था। वे हमारी टीम से चार लोगों को निकाल रहे हैं, और मैंने सुना है कि मेरा नाम भी उस सूची में है। मुझे वास्तव में नहीं पता कि क्या करना है।

एंड्रयू: (हैरान) रुको, क्या?! क्या तुम्हें पक्का पता है? क्या उन्होंने तुम्हारा नाम खास तौर पर बताया है, या यह सिर्फ़ एक संभावना है?

विकी: नहीं, उन्होंने पक्का कुछ नहीं कहा। हमें सोमवार को ही पता चलेगा।

एंड्रयू: भाई, उन्होंने अभी तक कुछ भी पुष्टि नहीं की है, और तुम यहाँ हो, दुखद स्टेटस पोस्ट कर रहे हो।

विकी: मुझे पक्का पता है कि मैं भी उस सूची में हूँ, यार।

एंड्रयू: विकी, आजकल हर जगह छंटनी हो रही है। सिर्फ़ इस साल, 1.24 लाख लोगों ने अपनी नौकरी खो दी है। और पिछले जुलाई में ही, 34 कंपनियों ने 8,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया।

विकी: हाँ, और अब मेरी बारी है। मेरे पास बहुत सारी प्रतिबद्धताएँ हैं, एंड्रयू...

एंड्रयू: मैं समझता हूँ; नौकरी खोना मुश्किल है, लेकिन किसी ने तुम्हें अभी तक नहीं बताया है कि तुम्हें पक्का निकाल दिया जाएगा!

विकी: ठीक है, लेकिन अब मुझे क्या करना चाहिए?

एंड्रयू: अगर मैं कुछ सुझाऊँ तो नाराज़ मत होना...

विकी: क्या बात है? बताओ मुझे।

एंड्रयू: तुम प्रार्थना क्यों नहीं करते? मैं भी तुम्हारे लिए प्रार्थना करूँगा। अगर हम दोनों साथ में प्रार्थना करेंगे, तो कुछ अच्छा ज़रूर होगा।

विक्की: (अनिच्छा से, लेकिन कोई दूसरा विकल्प न होने पर) ठीक है, चलो करते हैं।

एंड्रयू ने उसके लिए प्रार्थना की, और अगले दिन, वे दोनों चर्च गए।

एंड्रयू: अब तुम्हें कैसा लग रहा है, विक्की?

विक्की: अब मेरे लिए चीज़ें थोड़ी शांत हैं। यह उतना भयानक नहीं है जितना मैंने सोचा था।

एंड्रयू: तनाव मत लो, यार। कल के लिए कुछ सकारात्मक होने वाला है।

(वे दोनों अलविदा कहकर चले गए।)

TECH - 9

अपने फोन को समझदारी से संभालें

हेलो दोस्तों,

इस श्रंखला 'टेक'(Tech) के माध्यम से आपसे फिर से मिलकर बहुत खुशी हुई। तकनीक की दुनिया दिन-प्रतिदिन विकसित होती जा रही है। हम भी इसके विकास में भाग ले रहे हैं। किराने की दुकानों से लेकर शोरूम तक हमें तकनीक ने मदद की है। इन दिनों में शिक्षकों और छात्रों के लिए भी तकनीक महत्वपूर्ण है। इसने सभी को अपनी ओर आकर्षित किया है। इस श्रृंखला में हम जिस नये विकसित तकनीक की बात करने जा रहें हैं वह है 'AI'(आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस)। आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस मानव मस्तिष्क की तरह सोचता है। इसे मानव मस्तिष्क की तरह सोचने और कार्य करने की शक्ति को व्यक्त करने के लिए विकसित किया जा रहा है। हम में से कई लोग इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक के विकास से चकित और हैरान हैं। चैटGPT(chatGPT) जैसी तकनीकें हमारे दैनिक कार्यों में मदद करती हैं क्योंकि वे हमारे द्वारा पूछे गए प्रश्न का सटीक उत्तर देती हैं। फेसबुक एक कंपनी है जिसने 2012 में इंस्टाग्राम और 2014 में व्हाट्सएप का अधिग्रहण किया था? इसलिए 2021 से सोशल वेबसाइट के प्रबंधक और कंपनी का नाम बदलकर मेटा(Meta) कर दिया गया है। 2024 से कंपनी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मेटा एआई(Meta AI) नामक एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लाया गया है। अब मेटा एआई कंपनी ने अपनी तकनीक विकसित की है ताकि आपके व्हाट्सएप में भी एआई तकनीक उपलब्ध हो। इस महीने हम देखेंगे कि इसके क्या फायदे हैं और इसका इस्तेमाल कैसे करें। इससे पहले मेटा AI(META AI) केवल न्यूजीलैंड, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में ही उपलब्ध था, अब आप व्हाट्सएप, फेसबुक, इन्स्टाग्राम जैसे एप पर चैट बॉक्स(ChatBox) का इस्तेमाल कर सकते हैं।

मेटा AI(META AI) आपकी रुचि और जरूरतों के आधार पर नई जानकारी, वीडियो और अन्य पोस्ट खोजने में आपकी मदद करता है, विदेशी दोस्तों के साथ चैट करते समय उनकी भाषा को समझता है यदि आप अपने विचारों को टेक्स्ट फॉर्मेट में दर्ज करते हैं तो मेटा AI(META AI) 2nd आपके लिए इमेज तैयार करेगा। कुछ लोगों के लिए अंग्रेजी में मेल(mail) लिखना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में आप मेटा AI का इस्तेमाल करके पूछ सकते हैं ।

"मेटा AI(META AI) का इस्तेमाल कैसे करें?"

एप खोलने के बाद व्हाट्सएप के दाहिने कोने में ब्लूज टाइटैनिक(blues Titanic)एप पाया जा सकता है। प्ले स्टोर से व्हाट्सएप अपडेट करने के बाद आइकन पर क्लिक करने से एक नई चैट खुल जाएगी। इसका इस्तेमाल करके आप 'मेटा AI"(META AI) से अपने सवाल पूछ सकते हैं।

आप व्हाट्सएप पर पढ़ाई से संबंधित सवाल पूछ सकते हैं। दुनिया के कई आविष्कार हमारे लाभ के लिए किए गए हैं, लेकिन अगर इसे सही तरीके से संभाला जाए तो हम चमकदार और विजयी बन सकते हैं।

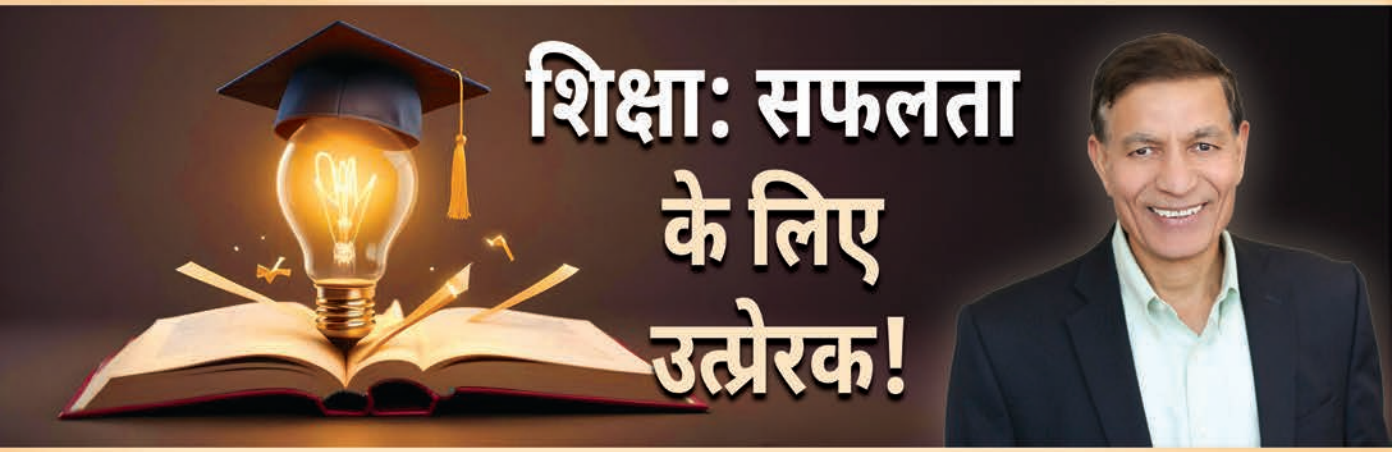

सभी युवा उपलब्धि प्राप्त करने वालों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ! कुछ असाधारण करने की इच्छा हर किसी में होती है, लेकिन सपने देखने वाले सभी लोग उन्हें हकीकत में नहीं बदल पाते। चुनौतियों को स्वीकार करने वाले और हर दिन अथक परिश्रम करने वाले ही महानता प्राप्त कर सकते हैं। आइए ऐसे ही एक समर्पित उपलब्धि प्राप्त करने वाले की प्रेरक यात्रा के बारे में जानें।

जय चौधरी का जन्म भारत के हिमाचल प्रदेश के एक सुदूर गाँव में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था, जहाँ बिजली और साफ पानी जैसी बुनियादी सुविधाएँ भी दुर्लभ थीं। घर में बिजली न होने के कारण वह रोज़ाना चार किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाते थे और स्कूल की लाइट में पढ़ाई करते थे। अथक परिश्रम से उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) वाराणसी में प्रवेश लिया, जहाँ उन्होंने इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। 20 साल की उम्र में, वह अमेरिका चले गए, जहाँ उन्होंने इंजीनियरिंग और प्रबंधन में मास्टर डिग्री हासिल की।

चौधरी ने अपना करियर आई.बी.एम(IBM), उनिसिस(Unisys) और आई. क्यू सॉफ्टवेर (IQ Software) में शुरू किया। प्रौद्योगिकी में 20 वर्षों के अनुभव के साथ, उन्होंने और उनकी पत्नी ज्योति ने 1996 में अपनी पहली उद्यम, सिक्योरआईटी शुरू करने के लिए अपनी बचत का उपयोग किया। इसके बाद उन्होंने साइबर सुरक्षा को बदलने के अपने सपने के करीब पहुँचते हुए कोरहार्बर, सिफरट्रस्ट और एयरडिफेंस सहित कई कंपनियों की स्थापना की।

2008 में, उन्होंने क्लाउड सुरक्षा समाधानों के साथ ऑनलाइन सुरक्षा में क्रांति लाने वाले Zscaler की स्थापना की। आज, Zscaler, 5,000 से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है और दुनिया भर में 2,600 से अधिक लोगों को रोजगार देता है। नैस्डैक पर $15 बिलियन के मूल्यांकन वाली यह कंपनी चौधरी के दूरदर्शी नेतृत्व को दर्शाती है। चौधरी की व्यावसायिक सफलता ने उन्हें दुनिया के सबसे धनी व्यक्तियों में से एक बना दिया है। 2020 में, उन्हें अमेरिका के सबसे अमीर लोगों की सूची में 85वें स्थान पर रखा गया था, और 2021 तक, उन्हें भारत में 9वें सबसे धनी व्यक्ति के रूप में पहचाना गया, जिनकी कुल संपत्ति लगभग ₹70,392 करोड़ ($5.9 बिलियन) थी।

प्रिय मित्रों, जय चौधरी का जीवन हमें एक महत्वपूर्ण सबक सिखाता है: शिक्षा और कड़ी मेहनत का महत्व। छात्र के रूप में अपने समय के दौरान, अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें, अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें और कभी भी विचलित न होने दें। चौधरी की सफलता के बारे में पढ़ना भले ही सरल लगे, लेकिन उनके रास्ते में हर मोड़ पर कठिनाइयाँ थीं। आगे बढ़ते रहें, और एक दिन, आप भी सफल व्यक्ति बनेंगे।